



Latest
Laws.com
Helping Good People Do Good Things

JUDICIARY EXAMS QUESTION PAPER

Free Downloadable Formats

Hello Good People!

Uttar Pradesh Judicial Service

Examination, 1988

Question Paper

1988
THE PRESENT DAY
उद्यतन सामान्य ज्ञान

Note: Candidates should attempt all questions. Marks carried by each question are indicated at its end.

नोट: अभ्यर्थी सभी प्रश्न करें। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक अन्त में दिये गये हैं।

1. Whether the Governor's post is dependent on the pleasure of the President? What rule given by the Supreme Court on the constitutional position on this question in A.I.R. 1979 SC 1109 (Hargovind v. Raghukul Tilak)
1. क्या राज्यपाल का पद राष्ट्रपति की इच्छा पर निर्भर करता है? उच्चतम न्यायालय में इस सम्बन्ध में क्या संवैधानिक स्थिति A.I.R. 1979 SC 1109 (हरगोविन्द बनाम रघुकुल तिलक) में निर्धारित की है?
2. (a) Is there any difference between "Right to information" and "Right to be informed". Does Act 21 of the Constitution contain any provision in this regard?
(b) Whether Official Secrets Act should be repealed?
2. (क) "सूचना पाने का अधिकार" और "सूचित किए जाने के अधिकार" के बीच क्या कोई अन्तर है? इस सम्बन्ध में संविधान की धारा 21 में क्या कोई प्रावधान है?
(ख) राजकीय गोपनीयता कानून क्या निरस्त हो जाना चाहिए?
3. (a) What has been the impact of Gorbachov's perestroika on East European countries in general and East Germany and Lithuania in particular?
(b) Has it been able to end the cold war in the world?
3. (क) गोर्बाचोव के perestroika का पूर्वी यूरोप के देशों पर विशेषकर पूर्वी जर्मनी में लिथुआनिया पर क्या प्रभाव पड़ा?
(ख) क्या इससे विश्व में शीतयुद्ध समाप्त हो गया।
4. (a) "Art. 370 of the Constitution is not a hindrance to the emotional integration of Kashmir with the rest of India." Comment.
(b) Is Simla Accord till an answer to the Kashmir problem in the present scenario?
4. (क) "संविधान का अनुच्छेद 370 काश्मीर के शेष भारत के उत्तर के साथ भावनात्मक एकता में बाधा न नहीं है।" टिप्पणी कीजिए।
(ख) नयी वर्तमान परिस्थितियों में काश्मीर की समस्याओं का उत्तर अभी भी शिमला समझौते में है।
5. Narrate briefly the facts and principles laid down in the following cases:
(a) "Gaurav Jain v. Union of India" A.I.R. 1990 SC 292.
(b) "Saheli a Women's Resource Centre v. Commr. of Police Delhi", A.I.R. 1990 SC 513.
5. निम्नलिखित निर्णयों के तथ्य व उनमें निर्णीत बिन्दुओं का वर्णन करें:
(क) "गौरव जैन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया" (ए०आई०आर० 1990 सुप्रीम कोर्ट 292)
(ब) "सहेली ए विमेन्स रिसोर्स सेंटर बनाम कामीशनर ऑफ दिल्ली (ए०आई०आर० सुप्रीम कोर्ट 513)

1988

LAW (SUBSTANTIVE LAW) [First Paper]

विधि (मौलिक विधि) [प्रथम प्रश्न पत्र]

Note: Candidates should attempt question Nos. 1 and 6 not more than four of remaining questions. Marks carried by each question are given at its end.

नोट: प्रश्न संख्या 1 व 6 अनिवार्य हैं। शेष में से कोई भी चार प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने इंगित हैं।

- The defendant Ram Charan Ram Gopal entered into 5 contracts with the plaintiff under which it undertook to supply to the plaintiff 184 bales of specified cloth manufactured by the New Victoria Mills Kanpur and Raza Textile Mills Kanpur as soon as prepared by the Mills. There was no clause in the agreements that the supply would depend on the delivery of the goods from the Mills. When the remaining 61 bales were not supplied, the plaintiff gave notice but the defendant failed to reply and did not even supply the goods. The main plea in the suit was that the goods were not delivered by the Mills and the performance of the contract was not possible due to circumstances beyond its control.

(a) Write down your doctrine giving reasons.

(b) Explain 'the doctrine of frustration' according to the contract Act giving two proper illustrations.

- प्रतिवादी रामचरन रामगोपाल ने वादी नारायणदास गंगासरन से 5 मुद्दाइये किये जिनके अन्तर्गत उसने वादी को 185 पेटियों न्यू विक्टोरिया मिल्स कानपुर तथा राजा टेक्सटाइल मिल्स रामपुर के बने हुए विशेष विवरण के कपड़े ज्यो-जें बनते जायेंगे आपूर्ति करने का वायदा किया। सविदा में कोई उल्लेख नहीं था कि आपूर्ति न्यू विक्टोरिया मिल्स से मिलने पर निर्भर रहेगी। शेष 61 पेटियों की आपूर्ति न होने पर वादी ने नोटिस दिया उसका कोई उत्तर प्रतिवादी ने नहीं दिया और माल की भी आपूर्ति नहीं की। बाद में उसका मुख्य अभिवचन था कि न्यू विक्टोरिया मिल्स से माल नहीं मिला इसलिये सविदा की आपूर्ति करने हेतु परिस्थितियाँ उसके बस के बाहर थीं।

(अ) कारण बताते हुए निर्णय कीजिये।

(ब) संहिता अधिनियम में विफलता के सिद्धान्त को उपयुक्त दो उदाहरणों सहित लिखिये।

- Define the terms "bailment", "bailor" and "bailee" giving illustrations. What is the kind of care expected from the bailee according to Section 151 of the Contract Act. The defendant Ram Sarup betel-seller to the plaintiff Sunder Lal's wooden shop on rent and despite the tenant's prudent care, the rioters set fire to the shop and destroyed it and the defendant, according to the terms of the agreement failed to "return the same in the same condition." Whether the defendant as its bailee is liable to make good the loss and pay damages to the plaintiff?

- "धरोहर रखना", "धरोहर देने वाला" और धरोहर लेने वाला वाक्यों को उदाहरण सहित परिभाषा लिख डालिये। धरोहर लेने वाले से सविदा अधिनियम की धारा 151 के अनुसार कैसी सावधानी अपेक्षित है। काठ की दुकान प्रतिवादी रामस्वरूप पान वो ने वादी सन्दरलाल से किराये पर ली और किरायेदार को सुविचारित सावधानी के बावजूद दंगाइयों (बलवाइयों) ने उसको आग लगा भस्म कर दी और अनुबंध की शर्तों के अनुसार प्रतिवादी दुकान को "उसी दशा में वापस देने" से असमर्थ रहा। क्या व हैसियत अमानतदार वादी की क्षतिपूर्ति करने का उत्तरदायी प्रतिवादी होगा।

- "He who seeks equity must do equity." Comment giving illustrations with reference to the Contract Act, Specific Relief Act, Transfer of Property Act and Trust Act.

- "जो साम्या मांगता है उसे स्वयं भी साम्या ही बताना चाहिये।" उदाहरण सहित सविदा अधिनियम, विशिष्ट सहायता अधिनियम, सम्पत्ति अनंतरण अधिनियम तथा न्यास अधिनियम से संदर्भ लेते हुए समीक्षा कीजिए।

- (a) What is customary easement? It is easier to assert but difficult to prove the same. Write down the main ingredients to establish such an easement.

(b) Distinguish between easement of necessity and quasi easements.

- (अ) प्रथागत भोगाधिकार क्या होता है। दावे के साथ कह देना तो आसान है परन्तु उसका सिद्ध करना अति दुर्लभ। उक्त अधिकार सिद्ध करने हेतु आवश्यक तत्व क्या-क्या होते हैं।

(ख) आवश्यकता का सुखाधिकार एक अर्थ सुखाधिकार में भेद बताइये।

- "Let a damsel wait for 3 years from the appearance of her first menstruation and after that time let her choose for herself and marry a husband equal to herself in qualifications

i.e., suitable to her" (Manu Smriti). The Indian society and our Parliament in order to prevent early marriages, infantile mortality and weakenings from premature death, prescribed the age for the bride and the boy. Give the age prescribed for marriage under the Hindu Marriage Act and the other changes effected by the Hindu Marriage Act.

- "किशोरी की प्रथम रजोधर्म आरम्भ होने के 3 वर्ष उपरान्त अपनी योग्यताओं के अनुरूप वर चुन लिए दो और उक्त सुयोग्य वर से अपना विवाह कर लेने दो।" (मनुस्मृति)। भारतीय समाज और हमारी संसद ने कम अवस्था में विवाह रोकने, शिशु नश्वरता को कम करने और दुर्बल उत्पत्ति को अल्पायु से बचाने हेतु विवाह करने के लिये कन्या और वर की क्या-क्या आयु निर्धारित कर दी युवा और कौन-कौन से महत्वपूर्ण परिवर्तन हिन्दू विवाह अधिनियम में लायू कर दिये।

- The real brothers Hukum Singh and Sukhrum and Sukhrum's son Chhida constituted a joint Hindu family governed by the Benares school of Mitaksnara law under which a coparcener without obtaining the consent of the other coparceners was not competent to sell his undivided shares for his own benefit. Hukum Singh died in the year 1952 and his widow Shrimati Kishan Devi on 15.11.1956 sold 1/2 share in the family house and shop of Gauri Shanker Sukhrum and Chhida filed a suit which was contested up to the Supreme Court of India (Appeal No. 21 of 1965).

(a) Whether the Sale Deed is liable to be cancelled.

(b) Whether the Hindu widow's right in the property of the joint Hindu family became larger than her deceased husband.

(c) Whether Krishan Devi continue to have only a limited interest.

(d) Whether the Hindu widow Kirshan Devi had already become absolute owner.

- दो सगे भाइयों हकुमसिंह तथा सुखराम और सुखराम के पुत्र छिडा का एक हिन्दू संयुक्त परिवार मिताक्षरा विधि के बनारस स्कूल से नियन्त्रित था जिसके तहत नियम था कि एक हिताधिकारी अपने दूसरे हिताधिकारियों की सहमति के बिना अविभाजित नाम को अपने काम के लिए नहीं बेच सकता हकुमसिंह की सन् 1952 में मृत्यु हो गई और उनकी विधवा श्रीमति किशन देवी ने 15.11.1956 को परिवार के मकान और दुकान का आधा भाग गौरीशंकर को बेच दिया। सुखराम और छिडा ने वाद प्रेषित कर दिया। जो सर्वोच्च न्यायालय तक गया (अपील नं० 211965)।

(अ) क्या बैनामा निरस्त होना चाहिए।

(ब) क्या हिन्दू विधवा का अधिकार हिन्दू संयुक्त परिवार की सम्पत्ति में अपने मृतक पति से भी अधिक बढ़ गया।

(स) क्या किशन देवी का सीमित हित ही बना रहा।

(द) क्या विधवा किशन देवी का पूर्ण अधिकार हो चुका था।

- The plaintiff Allahabad Khan failed to establish his paternity from Mr. Gulam Ghaus Khan though it was his alternative assertion that Mr. Ghulam Ghaus Khan used to call him his son and treat him as such and the Full Bench of the Allahabad High Court in 1888 pronounced the rule of the acknowledgement of legitimacy. Throw light on the conditions of valid acknowledgement.

Or

"Marriage (in Islam) is not regarded as a mere civil contract, but a religious sacrament (too)"—Mr. Justice Shah Sulaiman. Learned Abdur Rahim has also thrown light and now please comment giving the legal effects of a valid marriage.

- वादी अल्लाहखान खान् अपना पैतृत्व श्री गुलाम गौस खान से सिद्ध करने में असमर्थ रहा बापपि उसका वैकल्पिक अभिवचन यह भी था कि श्री गुलाम खान उसका अपना बेटा कह कर सम्बोधित करते थे और अपना बेटा मानते थे और इलाहाबाद की परिपूर्ण पीठ ने 1888 में अधिस्वीकृति का नियम प्रस्तुत किया। वैध अधिस्वीकृति की शर्तों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"निकाह केवल एक सभ्य सविदा ही नहीं बरन् धार्मिक संस्कार भी है" (श्री न्यायमूर्ति शाह सुलोमान)। विद्वान अब्दुल रहीम ने भी प्रकाश डाला है और आप समीक्षा कीजिए तथा वैध निकाह के वैधिका परिणाम को लिख डालिए।

8. Two brothers Lalmani and Kailashmani constituted a partnership in which Kailashmani alone used to do work, execute contracts and transact loans and he borrowed money on promote from Gopal Sah.—(a) whether decree can also be passed in the suit based on the promote against Lalmani also because pronote money was utilised in the partnership, (b) State those acts of a Partner which bind he firm?

8. दो भाइयों लालमणि और कैलाशमणि को साझेदारी में केवल कैलाशमणि कार्य करता, सविदाएं भरता और रुपया उधार लेता और उसी ने प्रोनोट पर गोपाल शाह से रुपया उधार ले लिया, (अ) प्रोनोट की बिना पर लाये गये वाद में क्या डिग्री लालमणि के विरुद्ध भी पास हो सकती है क्योंकि प्रोनोट का रुपया साझेदारी में लगा, (ब) क्या-क्या ऐसे कार्य हैं जिनसे एक भागीदार पूरी साझेदारी को बाध्य कर सकता है?

9. (a) Explain the rule of nemo dat quod non habet, no person can convey a better title than he himself has in the property and discuss the various exceptions to the rule adding illustrations.

(b) B buys from A, a Carpenter, a table for Rs. 200 and pays the amount. He informs A that he will take it after ten days. A thereafter sells the table to C who received the same in good faith and pays for the same without having any knowledge of the previous sale to B. B files a suit against A and C. Decide.

9. (अ) "कोई व्यक्ति अपेक्षाकृत अपने से बेहतर अधिकार दूसरे को नहीं दे सकता", इसकी व्याख्या कीजिये और उसके विभिन्न अपवादों की उदाहरण सहित विवेचना कीजिये।

(ब) 'ब' अ (एक बढ़ई) से एक मेज 200 रु. की खरीदता है और रुपया उसको दे देता है। वह 'अ' को बताता है कि मेज को दस दिन में ले जायेगा। 'अ' उसके बाद उस मेज को 'स' के हाथ बेच देता है जिसे 'स' 'ब' के हाथ विक्रय के खर्च में बगैर जाने हुए नेकलीयती ले लेता है। 'ब' 'अ' पर दावा करता है। फैसला दीजिए।

10. Explain and illustrate any three of the following—

- Joint tort feasons and contributions between them
- Estoppel
- Profit a pendre
- Partnership at will
- Doctrine of cypres

10. निम्नलिखित में किन्हीं तीन को स्पष्ट करके उदाहरण दीजिए:

- संयुक्त क्षतिकर्ता तथा उसके बीच क्षतिपूर्ति की धनराशि का परस्पर विभाजन
- विवन्ध
- इच्छाधीन भागीदारी
- यथा समीप का सिद्धान्त

1988

PROCEDURE AND EVIDENCE [Paper-II]

प्रक्रिया एवं साक्ष्य [द्वितीय प्रश्न पत्र]

Note: Attempt five questions only. Question number 1 is compulsory. Candidates should attempt four more questions from Groups A, B and C of which at least one question should be attempted from each group. Marks carried by each question or part thereof are indicated.

नोट: केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। खण्ड अ, ब तथा स से चार प्रश्न कीजिए जिनमें से कम से कम एक प्रश्न प्रत्येक खंड से अवश्य चुना जाना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न उसके भागों के अंक उसके अंत में इंगित हैं।

1. (a) Draft a plaint in a suit in which a demand has been made by the landlord against a tenant for arrears of rent in respect of residential house and for the tenant's ejection

thereform on the ground that the tenancy which was from month to month has been terminated by a notice for ejection given by the landlord.

- Draft a written statement in reply to the suit mentioned in question No. 1(a).
- Frame issues on the aforesaid pleadings in question No. 1(a) and (b).

Or

- Write a judgement convicting accused A and B under section 302/34 IPC.
- Draft a charge of the above offence.

- (अ) एक दावे के बाद का प्रारूप बनाइए, जिसमें कि भू-स्वामी द्वारा एक किराएदार पर, निवासस्थान के बकाया किराए की माँग की गई हो और उसमें किराएदार का निष्कासन इस आधार पर कि किराएदारी माहवार थी, भू-स्वामी द्वारा निष्कासन का नोटिस देने से समाप्त हो गई है।
(ब) प्रश्न नं. 1(अ) में वर्णित वाद के उत्तर में एक लिखित कथन (प्रतिवाद) का प्रारूप बनाइए।
(स) उपर्युक्त प्रश्न नं. 1(अ) और (ब) के अभिवचनों पर वाद बिन्दु का प्रारूप बनाइए।

अथवा

- अभियुक्तगुण 'अ' और 'ब' पर धारा 302/34 भारतीय दंड संहिता के अन्तर्गत सजा करते हुए निर्णय लिखिए।
- उपर्युक्त अभियोग के आरोप (चार्ज) का प्रारूप बनाइए।

GROUP-A (खण्ड-अ)

- (a) When a witness is cross-examined what other questions can be asked in addition to the questions relating to the incident.
(b) How would the court decide that a particular question is proper or improper.
(c) A woman prosecutes a man for picking her pocket. Can this question that she had given birth to an illegitimate child ten years before be asked.

2. (अ) जब साक्षी से विरुद्ध होती है, तब घटना से सम्बन्धित प्रश्नों के अलावा कौन-से प्रश्न पूछे जा सकते हैं?

- न्यायालय किस प्रकार विनिरिचत करेगा कि विशिष्ट प्रश्न उचित है या अनुचित।
- एक स्त्री एक आदमी को उसकी जेब काटने के लिए अभियोजित करती है। क्या यह प्रश्न कि उसने दस वर्ष पूर्व एक अधर्मज सन्तान को जन्म दिया था, पूछा जा सकता है?

- (a) When does a confession become irrelevant.
(b) A and B are jointly tried for the murder of C. It is proved that A said "B and I murdered C". Can the court consider the effect of this confession as against B.
(c) A prosecute B for Adultery with C. A's wife. B denies that C is A's wife but the court convicts B of Adultery.

Afterwards, C is prosecuted for bigamy in marrying B during A's life time. C says that she never was A's wife.

Is the judgement against B irrelevant as against C.

- (अ) संस्वीकृति कब विसंग हो जाती है।
(ब) 'क' और 'ख' को 'ग' की हत्या के लिए संयुक्ततः विचारित किया जाता है। यह साबित किया जाता है कि 'क' ने कहा, " 'ख' और मैंने 'ग' की हत्या की है।" क्या न्यायालय 'ख' के विरुद्ध इस संस्वीकृति के प्रभाव पर विचार कर सकेगा।
(स) 'क' अपनी पत्नी 'ग' के साथ जाटकर्म करने के लिए 'ख' को अभियोजन करता है। 'ख' इस बात को मना करता है कि 'ग' 'क' की पत्नी है किन्तु न्यायालय 'ख' को जाटकर्म के लिए दोष सिद्ध करता है।

तत्पश्चात् 'क' के जीवनकाल में 'ख' के साथ विवाह करने पर द्वि-विवाह के लिए 'ग' अभियोजित की जाती है। 'ग' कहती है कि वह 'क' की पत्नी नहीं रही। क्या 'ख' के विरुद्ध दिया गया निर्णय 'ग' के विरुद्ध विसंगत है।

- (a) What facts need not be proved.
(b) Explain the law relating to leading question
(c) Who is competent witness to testify.

4. (अ) कौन से तथ्यों को साबित करने की आवश्यकता नहीं है।
 (ब) सूचक प्रश्नों से सम्बन्धित कानून को समझाइए।
 (स) कौन साक्षी गवाही देने के लिए सक्षम है।

GROUP-B (खण्ड-ब)

5. (a) Explain the doctrine of Res-judicata.
 (b) Explain to distinction of Res-judicata with Res-subjudic and Estoppel.
 5. (अ) प्राड न्याय के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।
 (ब) प्राड न्याय (पूर्व निर्णय) का विचाराधीन मामला एवं विवन्ध में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
 6. (a) Who is an indigent person. What is the mode of instituting suit by such person.
 (b) Discuss "suits of civil nature."
 6. (अ) निर्धन व्यक्ति कौन होता है। ऐसे व्यक्ति द्वारा वाद लाए जाने की क्या प्रक्रिया है।
 (ब) दीवानी प्रकृति के वाद की विवचने कीजिए।
 7. (a) Explain the dissinction between Review and Revision. Second Appeal and Revision.
 (b) Who is a legal representative. Give examples of legal representative.
 7. (अ) पुनर्विलोकन एवं पुनरीक्षण, द्वितीय अपील एवं पुनरीक्षण का अन्तर स्पष्ट कीजिए।
 (ब) विधिक प्रतिनिधि किसे कहते हैं। विधिक प्रतिनिधि के उदाहरण दीजिए।

GROUP-C (खण्ड-स)

8. (a) Describe the law and procedure for maintenance of wife, children and parents in Cr.P.C.
 (b) Distinguish etween Police Report and First Information Report.
 8. (अ) दंड प्रक्रिया संहिता में पत्नी, सन्तान और माता-पिता के भरण-पोषण की विधि एवं प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
 (ब) पुलिस रिपोर्ट एवं प्रथम सूचना रिपोर्ट में क्या अन्तर है।
 9. (a) What should be described in a 'charge'?
 (b) Under what conditions a magistrate can take cogniance of the offence.
 (c) Explain 'judicial custody'? Is there any period of time fixed for detaining the accused in judicial custody.
 9. (अ) भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत आरोप में क्या वर्तनीत होना चाहिए।
 (ब) किन दशाओं में मजिस्ट्रेट अपराध का संज्ञान ले सकता है।
 (स) न्यायिक हिरासत को समझाइए। अपराधी को न्यायिक हिरासत में रखने का क्या कोई समय निश्चित है।
 10. (a) No appeal lies in petty offences. What are petty offences according to Cr.P.C.
 (b) Is the State government entitled to file appeal against the order of acquittal of the accused? What is its procedure?
 (c) What are the grounds of Revision according to Criminal Procedure Code?
 10. (अ) छोटे मामलों में अपील नहीं हो सकती। भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार कौन-से छोटे अपराध होते हैं।
 (ब) क्या राज्य सरकार अभियुक्त को चोषमुक्ति के खिलाफ अपील कर सकती है। उसकी क्या प्रक्रिया है।
 (स) भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत पुनरीक्षण के क्या आधार होते हैं।

1988

REVENUE AND CRIMINAL [Paper-III]

राजस्व एवं दण्ड सविधान [तृतीय प्रश्न पत्र]

Note: Candidates should answer six questions. Question Nos. 1 and 6 are compulsory and three questions must be from each group 'A' and 'B'. Marks carried by each question are indicated at its end.

In Group 'A', Act means U.P. Zamindari Abolition and Land Reforms Act.

नोट: अभ्यर्थी छः प्रश्न करें। प्रश्न सं. 1 और 6 अनिवार्य हैं। खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक से तीन प्रश्न अवश्य होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके अन्त में दिये हुए हैं। खण्ड 'अ' में एक के माने उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम से है।

GROUP-A (खण्ड-अ)

1. (a) Writes notes on the following—
 (i) Date of Vesting
 (ii) Land Management Committee
 (iii) Panel Lawyers
 (iv) Government Lessee.
 (b) What classes of intermediaries is and cultivators were made bhumidhars under the Act? Were all such bhumidhars given equal rights.
 1. (अ) निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए:
 (i) निहिति का दिनांक
 (ii) भूमि-प्रबन्धक समिति
 (iii) पैनल वकील
 (iv) सरकारी पट्टेदार।
 (ब) एक के अन्तर्गत कौन वर्ग के मध्यवर्ती एवं काश्तकार भूमिधर हो गये। क्या ऐसे सभी भूमिधरों को बराबर हक दिये गये।
 2. (a) A, a bhumidhar, with transferable right, transfers by way of gift his 10 acres land to one who has his own 5 acres land. Is this transfer void according the Act?
 (b) A, a bhumidhar, with non-transferable rights lets out his holding to B. Is the lease valid under the Act. Will it make a difference if A is suffering from a disability with in the meaning of Section 157 of the Act.
 2. (अ) 'अ', एक भूमिधर जिसको अन्तरणीय हित प्राप्त है, अपनी 10 एकड़ भूमि 'ब' को जिसके पास उसकी स्वयं 5 एकड़ भूमि है उसको दान द्वारा हस्तान्तरित करता है क्या कोई अन्तर होगा यदि दान एक धर्मार्थ संस्था को किया हो।
 (ब) 'अ', एक भूमिधर जिसको अन्तर्निर्णय हित प्राप्त नहीं है, अपनी जोत 'ब', को पट्टे पर देता है। क्या पट्टा एक के अनुसार विद्यमान है? क्या कोई अन्तर होगा यदि 'अ' एक को धारा 157 के अन्तर्गत कोई विवशता से पीड़ित है।
 3. (a) Can a bhumidhar with transferable right by will bequeath his holding or any part thereof. If such bhumidhar belongs to a scheduled tribe, what is the position?
 (b) Examine the scheme of general order of Successions laid down in Section 171 of the Act.
 Whether the illegitimate son of a bhumidhar or Asami woman is entitled to succeed her according to the Act.
 3. (क) क्या एक भूमिधर जिसको अन्तर्निर्णय हित प्राप्त है, अपनी कुल जोत या उसका कोई खण्ड वसीयत कर सकता है? यदि ऐसा भूमिधर अनुसूचित जनजाति का है तब क्या स्थिति होगी?
 (ख) एक को धारा 171 के अन्तर्गत उत्तराधिकार क्रम की व्यवस्था का परीक्षण कीजिए। क्या किसी औरत को जो भूमिधर या असामी हो अधर्मज लड़का एक के अनुसार उत्तराधिकारी हो सकता है?
 4. In what cases is the interest of a bhumidhar with non-transferable right extinguished. Is the Land management Committee expowered to take owner land in such situation and admit any person as bhumidhar with non-transferable rights.
 4. किन परिस्थितियों में एक भूमिधर जिसको अन्तर्निर्णय हित प्राप्त नहीं है, उसका हित समाप्त हो जाता है? क्या भूमि प्रबन्धक समिति को अधिकार दिया गया है कि ऐसी स्थिति में भूमि कब्जे में ले और किसी व्यक्ति को और अन्तरणीय हित प्रदान किये हुए भूमिधर वाखिल कर ले?
 5. (a) What do you understand by the term 'Asami' on what grounds may and Asami be ejected.
 (b) What remedy is available to an Assmi for wrongful ejection.

5. (अ) 'असामी' शब्द से क्या समझते हैं? किन आधारों पर असामी बेदखल किया जा सकता है?
 (ब) अवैध बेदखल पर असामी को क्या उपचार उपलब्ध है?

GROUP-B (खण्ड-ब)

6. (a) Analyse the definition of 'theft' as given in Section 378 I.P.C.
 (b) Distinguish it from 'robbery' and 'extortion'.
 (c) When may a person be said to commit theft of his own property.
6. (क) चोरी की परिभाषा को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 में दी है, उसका विश्लेषण कीजिए।
 (ख) इसका 'छूट' और 'उत्पन्न' से प्रभेद कीजिए।
 (ग) क्या एक व्यक्ति अपनी ही सम्पत्ति की चोरी कर सकता है?
7. (a) Distinguish between 'common intention' and 'common object' in Sections 34 and 149 respectively of the I.P.C.
 (b) A, B, C, D and E set out for committing dacoity in the house of X. E being dead, drunk could not accompany his companions and fell down under a tree. A, B, C and D entered the house of X and by show of force took away gold ornaments. Thereafter they came to the place where E was lying under the tree and gave him a part of the booty. What offence or offences, if any, has committed State with reasons.
7. (अ) भारतीय दण्ड संहिता की क्रमशः धारायें 34 एवं 149 में 'सामान्य आशय' और 'सामान्य उद्देश्य' का प्रभेद कीजिए।
 (ब) 'अ', 'ब', 'स', 'द' और 'ख' 'य' के घर डाका डालने के लिए निकल पड़े। 'ख' और 'य' के कारण अपने साथियों के साथ नहीं चल पाया और एक पेड़ के नीचे लोट-पोट हो गया। 'अ', 'ब', 'स' और 'द', 'य' के घर घुसे और वहाँ बल का प्रदर्शन करके सोने के जेवर उठा ले गए। उसवक बाद वे लोग उस स्थान पर गए जहाँ 'ख' पेड़ के नीचे लेटा था और लूट के माल का भाग उसे दिया। यदि 'ख' ने कोई अपराध किया तो कौन-सा अपराध या अपराधों को किया? कारण सहित बतायें।
8. (a) Distinguish between culpable homicide and murder.
 (b) A intending to kill B inflicts on B a mortal wound and mistakenly thinking him dead throws his body in a lake. A with the result that B dies by drowning. Is A guilty of murder. Answer with reasons.
8. (अ) आपराधिक मानवध और हत्या में प्रभेद कीजिए।
 (ब) 'अ' 'ब' की हत्या करने के आशय से उसे प्राण घात कर जखमी कर देता है और तत्पश्चात् गलती से समझकर कि वह मर गया उसका शरीर एक झील में फेंक देता है जिसे परिणामस्वरूप 'अ' डूबकर मर जाता है। क्या 'अ' हत्या के लिये अपराधी है। कारण सहित बताइयें।
9. Answer any two of the following and state with reasons what offence, if any, been committed.
 (a) A instigates B to instigate C to murder D. In consequence, B writes a letter to C instigating him to murder D. C does not read the letter.
 (b) A enters a house with intention of committing theft But moved by the property of the house-holder he drops a hundred-rupee note and leaves.
 (c) A, without the knowledge of the guardian takes away B, a girl of 16 years old from her house of her request. He restored her after one week.
 (d) A having lost the receipt for debt which he has paid to B makes out another receipt and when B sues him he puts up the made-up receipt in evidence.
9. निम्नलिखित किन्हीं दो का उत्तर दीजिये। और कारण सहित बतायें कि यदि कोई अपराध हुआ तो कौन-सा:
 (अ) 'अ' 'ब' को उकसाता है कि वह 'स' को उकसावे कि 'द' की हत्या कर दे। फलस्वरूप 'ब', 'स' को पत्र लिखता है और 'द' की हत्या करने के लिये उकसाता है। 'स' पत्र नहीं पढ़ता है।
 (ब) 'अ', चोरी करने के आशय से एक घर में प्रवेश करता है, परन्तु मकान मालिक की परिज्ञता देखकर उसको दया आ जाती है और वह एक सौ रुपये का नोट डालकर चला जाता है।

(स) 'अ' बगैर संरक्षक की जानकारी के एक लड़की को जिसकी उम्र 16 वर्ष है उसके अनुरोध पर अपने घर ले जाता है। एक हफ्ते बाद 'अ' से वापिस कर देता है।

(द) 'अ' ने 'ब' से जो ऋण लिया था उसके भुगतान की रसीद खो दी। वह एक दूसरी रसीद अपने आप बना लेता है। जब 'ब' उस पर दावा करता है तो बनाई हुई रसीद शहादत में पेश करता है।

10. Giving illustrations state the ingredients of any two of the following offences:

- (a) Criminal breach of trust
 (b) Criminal misappropriation
 (c) Mischief
 (d) Defamation

10. उदाहरण देते हुए निम्नलिखित अपराधों में से किन्हीं दो के संघटक का उल्लेख कीजिये:

- (अ) आपराधिक न्यासभंग
 (ब) आपराधिक दुर्विनियोग
 (स) रिफ्टि
 (द) मानहानि

1988

LANGUAGE (PART-I)

1. Translate into simple court language and record it in Devanagri Script.

The learned counsel for the appellant has urged that as the alleged extra judicial confession was handed over to the police along with the appellant it must be deemed to be a confession made to a police officer and as such inadmissible in evidence. Alternatively it is submitted that in all probability the confession of the various proces of circumstantial evidence in order to lend assurance to their story. It is there fore neither true nor voluntary and cannot be taken into account against the appellant.

There is no substance in those contantions. If the police had already laid their hands on the various links of the chain of the incriminating circumstances there was no point in their trying to obtain an extra judicial confession by force from the appellant. The links already discovered were enough to prove his guilt. A matter of fact it was the extra judicial confession made by the appellant giving the various details of the commission of the crime which led the police on the right track and enabled them to discover the various links of the chain. This confession was made by the appellant not to the police, but to the witnesses at Agra and simply because a record of his statement was handed over to the police will not make it inadmissible in evidence.

The evidence of Ram Charan and Sita Ram shows that the confession was made by the appellant voluntarily in response to question by Ram Charan as to what he had done with the deceased and his goods and that no pressure was exercised on his for obtaining that confession. The confessional statement of the appellant finds corroboration from the various recoveries made at his instance. It is there fore obvious that the extra judicial confession is not only voluntary but also represents truth.